

राष्ट्रीयता स्त्री. (तत्.) 1. राष्ट्रीय होने का भाव या अवस्था या अनुभूति 2. राष्ट्रभक्ति की भावना 3. राष्ट्र से संबंधित परिचयात्मक स्थिति।

रास पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल से प्रचलित एक प्रकार का मनोरंजक नृत्य जिसमें स्त्री-पुरुष परस्पर हाँथ बाँधकर मंडलाकार नाचते थे 2. कृष्ण और गोपियों का एक नृत्य विशेष जो शरद पूर्णिमा की रात्रि को वृंदावन में संपन्न हुआ था 3. एक प्रकार का नाटक जिसमें कृष्ण की रास-क्रीड़ा का स्त्री-पुरुष पात्रों द्वारा अभिनय किया जाता है 4. रासलीला काव्य. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 22 मात्राएँ तथा 8-8-6 पर यति तथा अंत में सगण होता है **स्त्री.** (तत्.) 1. एक प्रकार की वस्तुओं का ढेर जैसे- अन्न की रास, चावल की रास 2. समूह 6. सन, जूट, सूत आदि से बनी रस्सी **स्त्री.** (फा.) घोड़े आदि की लगाम जो मुँह में लगाई जाती है।

रासक पुं. (तत्.) 1. हास्यरस प्रधान एकांकी नाटक, जिसमें केवल पाँच अभिनेता होते हैं, सूत्रधार नहीं होता, नायक मूर्ख और नायिका चतुर होती है 2. हास्यरस के नाटक का एक भेद।

रासधारी पुं. (तत्.) 1. वह व्यक्ति या व्यक्ति समूह जो कृष्ण की रासलीला या अन्य लीलाओं का अभिनय करता है 2. राम और कृष्ण की लीलाओं को गीत और नृत्य के साथ प्रस्तुत की जाने वाली एक विशेष राजस्थानी नृत्यशैली 3. रासलीला की मंडली का प्रमुख।

रासना स्त्री. (तत्.) एक औषधीय गंधनाकुली नामक कंद जिसके पत्ते बड़े और चौड़े तथा फूल बैंगनी रंग के होते हैं, इसके वृक्ष प्रायः नदी के किनारे या पर्वतीय तलहटियों पर होते हैं इसे रास्ना और रायसन भी कहते हैं।

रासभ पुं. (तत्.) 1. अश्व प्रजाति का किंतु घोड़े से छोटा, प्रायः सफेद रंग का सींग रहित एक चार पैरों वाला पशु जो बोझा ढोने के काम आता है, गर्दभ, गधा 2. अश्वतर, खच्चर।

रासमंडल पुं. (तत्.) 1. रासलीला करने वालों का समूह 2. रासधारियों का अभिनय।

रासमंडली स्त्री. (तत्.) रासधारियों का समाज या टोली, रासलीला करने वालों का समूह।

रासलीला स्त्री. (तत्.) 1. ब्रजक्षेत्र का एक लोकप्रिय लोकनाट्य जिसमें कृष्ण, राधा तथा गोपियों के रूप में विविध शृंगारिक क्रीड़ाओं को संगीत और नृत्य के रूप में प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया जाता है 2. कृष्ण और राधा व गोपियों का नृत्य 3. रासधारियों का कृष्णलीला संबंधी अभिनय।

रासविलास पुं. (तत्.) 1. मनोरंजक रास-क्रीड़ा 2. आनंद मंगल।

रासायनिक वि. (तत्.) जो रसायन विज्ञान से संबंधित हो, रसायन विज्ञान का पुं. 1. रसायन शास्त्र का ज्ञाता 2. कीमियागर।

रासु वि. (तत्.) 1. सीधा, सरल 2. उचित, ठीक।

रासो पुं. (तद्.) 1. प्राचीन हिंदी की एक काव्य परंपरा का नाम जिसमें किसी राजा के चरित्र, प्रेम, युद्ध आदि का भावपूर्ण ओजपरक वर्णन होता है, रासो काव्य ग्रंथ अपभ्रंश, हिंदी, गुजराती में रचे गए, किंतु गीत नृत्य परक रासो काव्य धारा पश्चिमी राजस्थान और गुजरात से प्रभावित रही जैसे- 'उपदेशरसायन', छंदवैविध्य परक रासो धारा में प्रसिद्ध ग्रंथ, संदेरासक और पृथ्वीराज रासो हैं।

राहखर्च पुं. (फा.) किसी यात्रा में जाने पर मार्ग में होने वाला आवश्यक खर्च, व्यय, मार्गव्यय।

राहगीर पुं. (फा.) 1. राह में चलने वाला 2. पथिक, बटोही, मुसाफिर।

राहचौरंगी पुं. (फा.+तद्.) 1. जिस राह (रास्ते) में चारों ओर जाने का खुला मार्ग हो 2. चौराहा, चौरास्ता, चौमुहानी।

राहजन पुं. (फा.) 1. राह में लूटपाट करने वाला 2. लुटेरा, डाकू बटमार।

राहजनी स्त्री. (फा.) राह में होने वाली लूटपाट, बटमारी।